ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास

डॉ मीरा कुमारी

विज्ञान एवं तकनीक में पूरे विश्व में प्रगति के कारण पर्यावरण के प्रदूषणों में ध्वनि प्रदूषण एक गम्भीर समस्या के रूप में उभरा है। ध्वनि प्रदूषण ने राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी समस्याओं को जन्म दिया है। अतः ध्वनि प्रदूषण से सुरक्षा अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष एक महत्वपूर्ण चुनौती प्रस्तुत करता है। चूंकि ध्वनि प्रदूषण की समस्या को भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। अतः यह समस्या सभी देशों के सामूहिक प्रयास द्वारा ही हल की जा सकती है। इस समस्या पर नियंत्रण के लिए एकल नहीं वरन् सामूहिक कार्ययोजना की आवश्यकता है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रों के कार्य एवं व्यवहार को संयुक्त राष्ट्र संघ, 1945 के द्वारा नियंत्रित किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों में एक जीवन के स्तर को उठाना तथा सामरिक विकास को बढ़ावादेना है। इन उद्देश्यों की पूर्ति मानव व्यक्तित्व एवं गरिमापूर्ण जीवन के विकास पर निर्भर करती है जिनका सीधा सम्बन्ध एक स्वस्थ वातावरण में मानवाधिकारों के उपयोग से है। संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा इन मानवाधिकारों के महत्व को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, 1948 द्वारा मान्यता प्रदान की गई जो कि राष्ट्रों के सभी नागरिकों के लिए एक समान अधिकारों की घोषणा करती हैं।